



## भारत में मातृ मृत्यु दर

### प्रलिस के लयः

मातृ मृत्यु अनुपात, भारत का रजसुदरार जनरल, वशुव सुवासुथय संगठन

### मेनुस के लयः

महलाओं से संबधतः मुदुदे, सुवासुथय, मानव संसाधन, मातृ मृत्यु अनुपात से संबधतः पहलें ।

## चरुा में कुयों?

हाल ही में रजसुदरार जनरल के सैपल रजसुदरेशन ससुदम (Office of the Registrar General's Sample Registration System-SRS) के कारुयालय ने भारत में वरुष 2017-19 में [मातृ मृत्यु दर](#) (Maternal Mortality Ratio-MMR) पर एक वशुष बुलेटनः जारी कुयाः है ।

- [वशुव सुवासुथय संगठन](#) के अनुसार, गर्भवती होने पर या गर्भावसुथा की समापुतः के 42 दनः के भीतर गर्भावसुथा या उसके परबधन से संबधतः कुसुी भी कारण से हुई कुसुी महला की मृत्यु को मातृ मृत्यु में शामिल कुया जाता है ।
- प्रतः एक लाख जीवतः बरुचुओं के जनुम पर होने वाली माताओं की मृत्यु को मातृत्व मृत्यु दर (MMR) कहते हैं ।

## रजसुदरार जनरल ऑफ इंडयाः

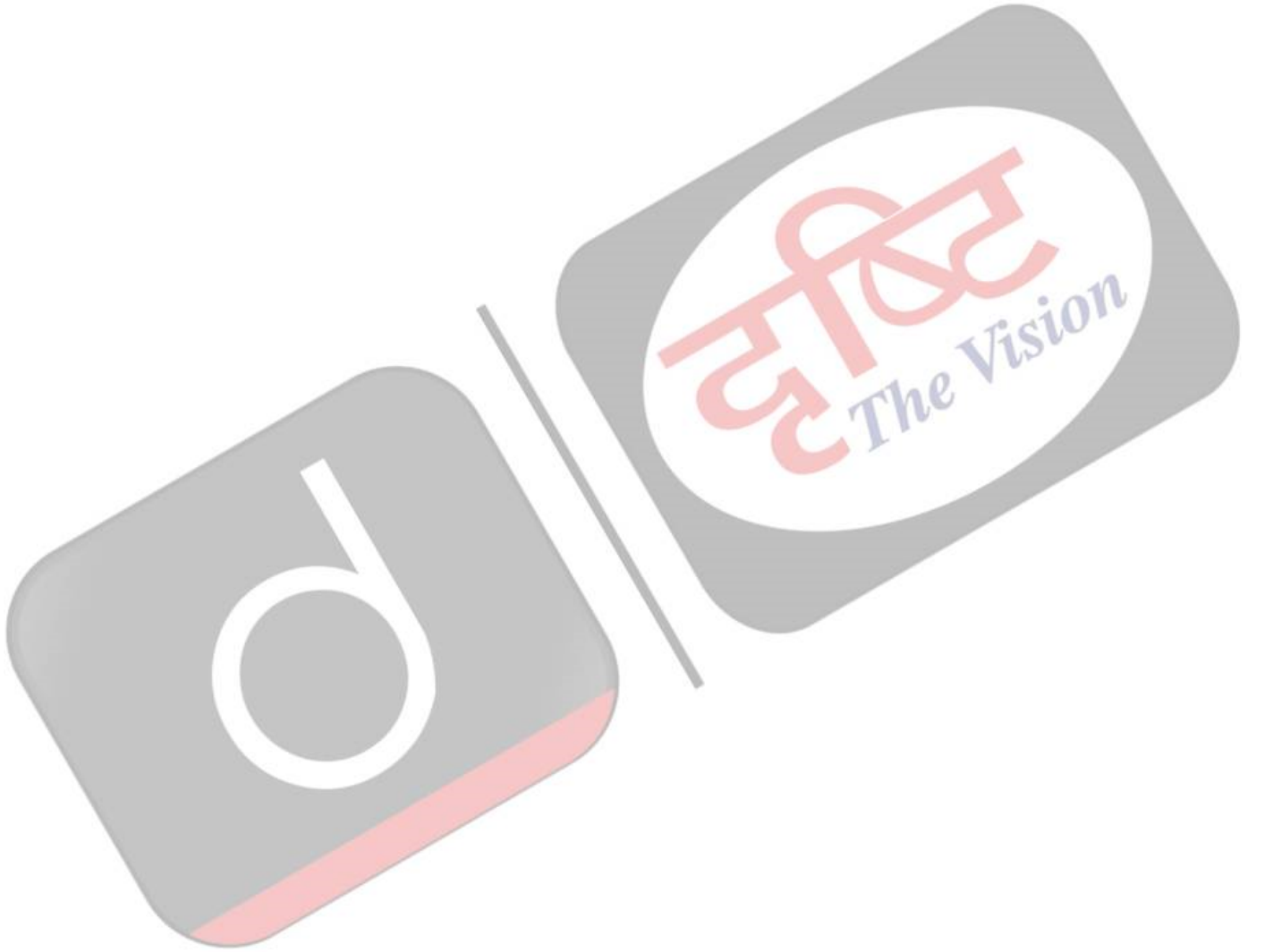
- यह गृह मंत्रालय के अधीन कारुय करता है ।
- जनसंखुया की गणना करने और देश में मृत्यु और जनुम के पंजीकरण के कारुयानुवन के अलावा यह नमुना पंजीकरण प्रणाली (Sample Registration System-SRS) का उपयुग करके प्रजनन व मृत्यु दर के संबध में अनुमान प्रसुतुत करता है ।
- SRS देश का सबसे बड़ा जनसांखुयकीय नमुना सरुवेकुषण है जसुमें अनुय संकेतक राषुद्रीय प्रतनुधः नःमूने के माधुयम से मातृ मृत्यु दर का प्रतुयकुष अनुमान प्रदान करते हैं ।
- वरुबल ऑटोप्सुी (Verbal Autopsy-VA) उपकरणों को नुधःमतः आधार पर SRS के तहत दरुज मौतुओं के लयः प्रबधतः कुया जाता है, ताकः देश में एक वशुषःट कारण से होने वाली मृत्यु दर का पता लगाया जा सके ।

## MMR को लेकर भारत की सुथतः?

- भारत के मातृ मृत्यु दर में 10 अंक की गरःवट आई है । यह वरुष 2016-18 के 113 से घटकर वरुष 2017-18 में 103 (8.8% गरःवट) हो गई है ।
- देश में MMR में वरुष 2014-2016 में 130, वरुष 2015-17 में 122, वरुष 2016-18 में 113 और वरुष 2017-19 में 103 में उतुतरुतुतर कुमी देखुी गई ।
  - भारत वरुष 2020 तक 100/लाख जीवतः जनुमों के [राषुद्रीय सुवासुथय नीतः](#) (NHP) के लकुषुय को प्रापुत करने के काफी करुीब था और नशुचतः रूप से वरुष 2030 तक 70/लाख जीवतः जनुमों के संयुक्त राषुदर के सतुत वकुसः लकुषुयों को प्रापुत करने की राह पर था ।
- कुई वकुसतः देशों ने सफलतापुर्वक MMR को एकल अंकों में ला दयाः है । इटली, नारुवे, पुलैड और बेलारुस में दो का नुयुनतम MMR है, जबकु जरुमनी और युके दोनों में यह सात है, कनाडा में 10 और अमेरकुा में 19 है ।
- भारत के अधकुांश पड़ुोसी देशों- नेपाल (186), बांगुलादेश (173) और पाकसुतान (140)- का MMR अधकु है । हालाँकु, चीन और शुरुीलंका क्रमशः 18.3 व 36 MMR के साथ काफी बेहतर सुथतः में हैं ।

## राजुय-वशुषःट आँकुड़े:

- सतत् विकास लक्ष्य हासलि करने वाले राज्यों की संख्या अब पाँच से बढ़कर सात हो गई है, ये हैं- केरल (30), महाराष्ट्र (38), तेलंगाना (56), तमलिनाडु (58), आंध्र प्रदेश (58), झारखंड (61) और गुजरात (70)।
  - केरल ने सबसे कम एमएमआर दर्ज कया है जो केरल को राष्ट्रीय एमएमआर 103 से आगे रखता है।
  - केरल के मातृ मृत्यु दर में 12 अंक की गरिवट आई है। पछिले SRS बुलेटनि (2015-17) ने राज्य के MMR को 42 के स्तर पर रखा था, जसिे बाद में समायोजति कर 43 कर दया गया था।
- अब नौ राज्य ऐसे हैं जनिहोंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीतद्वारा नरिधारति एमएमआर लक्ष्य को हासलि कर लया है, जसिमें उपरोक्त सात और कर्नाटक (83) एवं हरयाणा (96) शामिल हैं।
- उत्तराखंड (101), पश्चमि बंगाल (109), पंजाब (114), बहार (130), ओडिशि (136) और राजस्थान (141) में एमएमआर 100-150 के बीच है, जबकि छत्तीसगढ़ (160), मध्य प्रदेश (163), उत्तर प्रदेश (167) तथा असम (205) का एमएमआर 150 से ऊपर है।



## कुछ संबंधित सरकारी पहलें:

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मशिन के तहत संस्थागत प्रसव के लिये नकद सहायता प्रदान करने हेतु [जननी सुरक्षा योजना](#) ।
- [प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान \(पीएमएसएमए\)](#) हर महीने की 9 तारीख को गर्भवती महिलाओं की सुनिश्चित, व्यापक और गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व देखभाल के लिये एक निश्चित तिथि तय की गई है ।
- [प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना](#), [पोषण अभियान](#) और [लक्ष्य दशा-नरिदेश](#) ।

## आगे की राह

- किसी क्षेत्र की मातृ मृत्यु दर उस क्षेत्र में महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य का एक पैमाना है ।
- [WHO](#) पहले ही मातृ मृत्यु दर को कम करने के भारत के प्रयासों की सराहना कर चुका है । भारत को उच्च एमएमआर वाले राज्यों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है ।

## स्रोत: द हट्टि

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/maternal-mortality-in-india>

